!! श्री गणेशाय नमः !!

पाक्षिक कैलेंडर उपयोग विधि

पाक्षिक एक प्रयास है पंचांग को सरल करने का जिससे हिन्दू जन मानस इसको प्रतिदिन उपयोग में ला सकें | क्योंकि यह कैलेंडर शुक्ल एवं कृष्ण पक्ष में अलग अलग किया गया है इसलिए इसका नाम पाक्षिक रखा गया है |

आप अपना पाक्षिक कैलेंडर https://pakshik.com से डाउनलोड कर सकते है |

दिन के पांच अंग इस प्रकार हैं :

1. तिथि, 2. वार, 3. नक्षत्र, 4. योग, 5. करण

काल के पांच अंग इस प्रकार है :

1. वर्ष, 2. मास, 3. दिन, 4. लग्न, 5. मुहूर्त

इस सरल हिन्दू कैलेंडर पाक्षिक में तिथि, वार, वर्ष, मास मुख्यता से उपयोग करेंगे | समय को दर्शाने के लिए जन प्रचलित अंग्रेजी समय 24 घंटे वाली घडी उपयोग करेंगे | अंग्रेजी तारीख भी इस समय के साथ उपयोग किया जायेगा | समय एवं तारीख के उपयोग से तिथि का आरंभ और समाप्त होने का समय दिखाया जाएगा |

भारतीय पंचांग चंद्र के गति पर आधारित है इसलिए पहले चंद्र के दो पक्ष कृष्ण एवं शुक्ल के बारे में जाने |

पक्ष ज्ञान : 15 तिथियों या दिनों का एक पक्ष होता है, परन्तु तिथियों के क्षय वृद्धि के कारण यह कभी 13 अथवा 14 अथवा 16 दिनों का भी होता है |

कृष्णपक्ष एवं **शुक्लपक्ष** दो पक्ष हैं |

कृष्णपक्ष : कृष्णपक्ष में चंद्रमा प्रतिदिन क्षय या घटता है और अंतिम दिन दिखाई नहीं देती है | जिस दिन चंद्र दिखाई नहीं देता है उसको अमावस्या कहते है |

शुक्लपक्ष : शुक्लपक्ष में चंद्रमा में प्रतिदिन वृद्धि होती है और अंतिम दिन यह पूर्ण दिखाई देती है | जिस दिन चंद्र पूर्ण दिखाई देता है उसको पूर्णिमा कहते है|

कृष्णपक्ष को दिनांक लिखने में **शून्य (0)** से दर्शाएंगे | कृष्ण पक्ष के लिए काला से युक्त रंग चिन्ह रूप में उपयोग किया जाएगा | जैसे कि अभी **कृष्णपक्ष** हलका काला रंग में लिखा गया है |

शुक्लपक्ष को दिनांक लिखने में **एक (१)** से दर्शाएंगे | शुक्ल पक्ष के लिए चमकीले रंग चिन्ह रूप में उपयोग किया जायेगा | जैसे कि अभी **शुक्लपक्ष** नारंगी रंग में लिखा गया है |

© 2021 Altstac Technologies - All rights reserved. Contact at 8197425520 or email to pakshikpanchang@gmail.com

!! श्री गणेशाय नमः !!

वार ज्ञान :
हिन्दू पंचांग में वार या दिन सूर्योदय से शुरू होकर अगले दिन सूर्योदय तक रहता है, वहीं अंग्रेजी कैलेंडर में मध्य रात्रि को वार बदलता है| इस हिन्दू कैलेंडर में वार या दिन का बदलना सूर्योदय से सूर्योदय ही होगा और इसका महत्व बहुत अधिक है तिथि लिखने में |

सात वारों के नाम और उनका लघु एवं अति लघु रूप इस प्रकार है

दिन	लघु	अतिलघु
रविवार	रवि	र
सोमवार	सोम	सो
मंगलवार	मंगल	मं
बुधवार	बुध	बु
गुरुवार	गुरु	गु
शुक्रवार	शुक्र	शु
शनिवार	शनि	श

तिथि ज्ञान :
एक पक्ष में पंद्रह तिथियां होती हैं | सूर्य और चंद्र के बीच हर 12 अंश पर तिथि बदलती है अर्थात जब चंद्र सूर्य की दूरी 12 अंश हो जाती है तब एक तिथि पूर्ण हो जाता है | पंद्रह तिथियों का एक पक्ष होता है |

तिथियों के नाम उसका अंक रूप और लघु रूप इस प्रकार है| हमलोग अंक रूप ही उपयोग करेंगे|

तिथि	अंक रूप	लघु रूप
प्रतिपदा	१ या 1	प्र
द्वितीया	२ या 2	द्वि
तृतीया	३ या 3	तृ
चतुर्थी	४ या 4	च

© 2021 Altstac Technologies - All rights reserved. Contact at 8197425520 or email to pakshikpanchang@gmail.com

पंचमी	५ या 5	पं
षष्ठी	६ या 6	ष
सप्तमी	७ या 7	स
अष्टमी	८ या 8	अ
नवमी	९ या 9	न
दशमी	१० या 10	द
एकादशी	११ या 11	ए
द्वादशी	१२ या 12	द्वा
त्रियोदशी	१३ या 13	त्रि
चतुर्दशी	१४ या 14	चतु
अमावस्या	१५ या 15	अमा
पूर्णिमा	१५ या 15	पू

मास ज्ञान:
मास चार प्रकार के होते हैं | हमलोग चंद्र मास को इस कैलेंडर में उपयोग करेंगे इसलिए आइये चंद्र मास के बारे में जानते हैं | एक वर्ष में पूरे बारह मास होते हैं |
चंद्र मास दो प्रकार के होते हैं जो कि **अमांत** एवं **पुर्णिमांत** हैं | अमांत में शुक्ल प्रतिपदा से अमावस्या तक एक मास होता है, अर्थात अमावस्या को मास समाप्त या अंत होता है | यह दक्षिण भारत / महाराष्ट्र में प्रचलित है |
पुर्णिमांत में कृष्ण प्रतिपदा से पूर्णिमा तक एक मास होता है | अर्थात पूर्णिमा को मास समाप्त या अंत होता है | यह उत्तर भारत में प्रचलित है |

अधिक मास या मलमास या पुरुषोत्तम मास के बारे में भी जानना जरूरी है | यह अंग्रेजी के लीप ईयर की तरह होता है | लगभग हर तीसरे साल अधिक मास पड़ता है और उस वर्ष 13 महीनों का एक वर्ष होता है | अधिक मास को दर्शाने के लिए तारा(*) चिन्ह का उपयोग होगा |

© 2021 Altstac Technologies - All rights reserved. Contact at 8197425520 or email to pakshikpanchang@gmail.com

!! श्री गणेशाय नमः !!

क्षय मास 141 वर्षों या 19 वर्षों में आता है | जिस चंद्र मास में 2 पक्षों में 2 सूर्य की संक्रांति होती है, उसे क्षय मास कहते हैं | क्षय मास को दर्शाने के लिए हैश(#) चिन्ह का उपयोग होगा |

भारतीय महीनों के नाम और उनके अंक रूप और लघु रूप इस प्रकार है | हमलोग अंक रूप ही उपयोग करेंगे | आप अंग्रेजी अंक या किसी भी भारतीय भाषा का अंक अपने सुविधा अनुसार उपयोग कर सकते है | इसमें हिंदी अंक उपयोग किया गया है|

मास	अंक रूप	लघु रूप
चैत्र	१ या 1	चै
वैशाख	२ या 2	वै
ज्येष्ठ	३ या 3	ज्ये
आषाढ़	४ या 4	आ
श्रावण	५ या 5	श्रा
भादप्रद	६ या 6	भा
आश्विन	७ या 7	आश्वि
कार्तिक	८ या 8	का
मार्गशीर्ष	९ या 9	मा
पौष	१० या 10	पौ
माघ	११ या 11	माघ
फाल्गुन	१२ या 12	फा

अधिक मास को दिखने के लिए * का उपयोग महीना के अंक या नाम के ऊपर करेंगे
जैसे अधिक आश्विन - ७* या आश्विन* | अधिक मास फाल्गुन से कार्तिक मास के मध्य पड़ता है |
क्षय मास केवल कार्तिक, मार्गशीर्ष तथा पौष मास में पड़ता है | इसको # चिन्ह से दर्शायेगे जैसे क्षय कार्तिक को ८# या कार्तिक# से लिख सकते है |

वर्ष ज्ञान: विक्रम संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होता है | 13 अप्रैल 2021 से विक्रम संवत 2078 शुरू होगा | हमलोग विक्रम संवत का उपयोग करेंगे | दूसरा प्रचलित संवत हिन्दुओ में शक संवत है जो विक्रम संवत से 135 वर्ष पीछे है | अर्थात विक्रम संवत = शक संवत + 135 |

© 2021 Altstac Technologies - All rights reserved. Contact at 8197425520 or email to pakshikpanchang@gmail.com

!! श्री गणेशाय नमः !!

दिन प्रतिदिन कार्यों के लिए दिनांक लिखने की विधि

जैसा की पहले बताया जा चुका है कि :-
कृष्णपक्ष को **शून्य (0)** से दर्शाएंगे और **शुक्लपक्ष** को **एक (१)** से दर्शाएंगे |

दिनांक का प्रारूप : वार / तिथि - मास - वर्ष / पक्ष

वार के लिए ऊपर वार ज्ञान को देखें |
तिथि के लिए ऊपर तिथि ज्ञान को देखें |
मास के लिए ऊपर मास ज्ञान को देखें |
वर्ष में विक्रम संवत उपयोग होगा |
पक्ष के लिए ऊपर पक्ष ज्ञान को देखें |

वृहद में दिनांक लिखने का तरीका

मंगल / प्रतिपदा - चैत्र - २०७८ / शुक्ल
मंगल / प्रतिपदा - आश्विन*- २०७७/शुक्ल (यह अधिक मास को लिखने का तरीका है)

लघु में लिखने का तरीका

मंगल/१ - १ - २०७८/१
मंगल/१- ७*- २०७७/१
शनि/३,४-३-२०७८/० (जब दो तिथियों एक ही दिन हो तो उसको ऐसे लिखना है)

आप दिन प्रतिदिन इसका उपयोग अंग्रेजी तारीख़ की ही तरह कर सकते है |

© 2021 Altstac Technologies - All rights reserved. Contact at 8197425520 or email to pakshikpanchang@gmail.com

!! श्री गणेशाय नमः !!

पाक्षिक पंचांग को देखने की विधि

एक पक्ष में सूर्योदय के सीमा को दिखाया गया है| तिथि 1(प्रतिपदा) को सूर्योदय 5:25 को हो रहा है और तिथि 15(पूर्णिमा) को सूर्योदय 5:18 को हो रहा है| वैसे ही सूर्यास्त को भी लिखा गया है |

पक्ष शुरू एवं समाप्त होने का दिनांक अंग्रेजी पद्धति में लिखा गया है|

अंग्रेजी महीने का दिनांक जिसमें पहला दिनांक तिथि के शुरू होने का है और दूसरा तिथि के समाप्त होने का है |

--:-- का मतलब है कि 4(चतुर्थी) तिथि 15 मई को समाप्त नहीं हो रहा है और अगले दिन समाप्त होगा |

एक ही वार को दो तिथियों का पड़ना दिखाया गया है |दो तिथियों का समाप्त होने का समय कौमा से अलग कर के लिखा गया है| उसी प्रकार दो तिथियों के समाप्त होने का अंग्रेजी दिनांक लिखा गया है|

एक ही अंग्रेजी दिनांक का मतलब है तिथि इसी दिनांक को समाप्त हो रहा है| समाप्त होने का समय ऊपर लिखा हुआ है|

© 2021 Altstac Technologies - All rights reserved. Contact at 8197425520 or email to pakshikpanchang@gmail.com

!! श्री गणेशाय नमः !!

अपना सुझाव नीचे दिए गए लिंक पर अवश्य दे :-
https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSc14XHjcYSoKaJqnoIviYE7LcYSTQou1xMeHxnr0wFvw5pYyA/viewform?usp=pp_url

ज्यादा से ज्यादा लोगों को भेजें जिससे इस बार हिन्दू नववर्ष पुरे जोश से इस सरल पंचांग पाक्षिक के साथ मनाया जा सके |

© 2021 Altstac Technologies - All rights reserved. Contact at 8197425520 or email to pakshikpanchang@gmail.com